महत्वपूर्ण एवं खास

केनरा बैंक में कारोबारी से लाखों की उठाईगिरी,जांच में जुटी पुलिस

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के मरीन ड्राइव के सामने स्थित केनरा बैंक में लाखों रुपए की उठाईगिरी की वारदात हुई है। अज्ञात आरोपी ने बैंक के अंदर से पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। बैग नहीं मिलने पर कारोबारी ने इसकी सूचना बैंक और तेलीबांधा पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार कारोबारी जरूरी काम से बैंक आया था। बैंक में काम के दौरान अज्ञात आरोपी ने बैग पर से हाथ साफ कर दिया। पीड़ित कारोबारी ने बताया कि चंद मिनट में ही आरोपी ने पैसों से भरा बैग चोरी कर लिया। कारोबारी ने बताया कि बैग में 4 लाख से ज्यादा रकम था। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी की जांच की। जिसमें आरोपी की हरकत कैमरे में नजर आई। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर ही अब आरोपी की तलाश में जुट गई। पुलिस पूरे शहर में नाकाबंदी कर जांच कर रही है।

कवर्धा कांड के आरोपियों ने मांगी सार्वजनिक माफी

कवर्धा/रायपुर (आरएनएस)। कवर्धा कांड के आरोपियों सलमान, रिजवान, रेहान ने सार्वजनिक माफी मांगी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 3 अक्टूबर की घटना एक निजी विवाद था। जिसका मुस्लिम समाज से कोई लेना देना नहीं है। तीनों आरोपियों ने अपने हस्ताक्षर से जारी माफीनामा में स्वीकार किया है की आपसी विवाद के बाद जो झंडा विवाद हुआ था उसके बाद शहर में फैली अशांति 5 अक्टूबर 2021 को फैली थी। उसमें मुस्लिम समाज को दोषी बनाया जा रहा है जबकि इस घटना के लिए समाज नहीं वे स्वयं दोषी हैं। घटना को हिन्दू, मुस्लिम विवाद से जोड़ा जाना गलत है। कवर्धा घटना के लिए तीनों आरोपियों ने स्वयं को जिम्मेदार माना है।

अज्ञात आरोपी ने केनरा बैंक से पैसों से भरा बैग लेकर फरार,जांच में जुटी पुलिस

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी के मरीन ड्राइव के सामने स्थित केनरा बैंक में लाखों रुपए की उठाईगिरी की वारदात हुई है। अज्ञात आरोपी ने बैंक के अंदर से पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। बैग नहीं मिलने पर कारोबारी ने इसकी सूचना बैंक और तेलीबांधा पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार कारोबारी जरूरी काम से बैंक आया था। बैंक में काम के दौरान अज्ञात आरोपी ने बैग पर से हाथ साफकर दिया। पीड़ित कारोबारी ने बताया कि चंद मिनट में ही आरोपी ने पैसों से भरा बैग चोरी कर लिया। कारोबारी ने बताया कि बैग में 4 लाख से ज्यादा रकम था। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी की जांच की। जिसमें आरोपी की हरकत कैमरे में नजर आई। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर ही अब आरोपी की तलाश में जुट गई। पुलिस पूरे शहर में नाकाबंदी कर जांच कर रही है।

मधुमक्खी के काटने से वनकर्मी की मौत

कोरबा (आरएनएस)। बांगो थानांतर्गत ग्राम कछार में रहने वाले एक वनकर्मी की मधुमक्खी के काटने से मौत हो गई। मृतक का नाम बालकृष्ण यादव हैएजो वन विभाग के जंगल में सुरक्षाकर्मी के रुप में कार्यरत था। सोमवार की दोपहर करीब ढाई बजे जब वह ड्युटी पर तैनात था तब बालकृष्ण पर मुधमक्खियों ने हमला कर दिया। इस हमले में वह बुरी तरह जख्मी हो गया। काफी समय तक वह मौके पर ही पड़ा रहा। गांव का एक व्यक्ति लकड़ी लेने जंगल गया तब बालकृष्ण को मौके पर पड़ा हुआ देखा तब उसने परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। जिसके बाद उसे पोड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया वहां उसे बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल लाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में हमने वन विभाग के अधिकारियों से बात की तब उन्होंने बालकृष्ण के वनकर्मी होने की बात से इंकार कर दिया हालांकि उसके घर वाले बालकृष्ण को वनकर्मी करार दे रहे है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के मुद्दे पर सदन गरमाया, भाजपा सदस्यों ने की नारेबाजी

» कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक स्थगित

» प्रतिपक्ष भाजपा ने गरीबों से मकान छिनने का लगाया आरोप

रायपुर (आरएनएस)। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रतिपक्ष भाजपा ने प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों के निर्माण का मुद्दा जोरशोर से उठाया। इस मुद्दे पर प्रतिपक्ष भाजपा के विधायकों ने राज्य सरकार पर गरीबों का मकान छिनने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्यांश उपलब्ध नहीं कराने के कारण केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार को योजना से बाहर कर दिया है जिसके कारण प्रदेश को 12 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। इस मामले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि केन्द्र से राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रदेश में यह स्थिति निर्मित हुई है। मंत्री के इस जवाब को असंतोषजनक बताते हुए भाजपा सदस्यों ने इस मामले की जांच सदन की कमेटी से कराये जाने की मांग की। आसंदी द्वारा इसकी स्वीकृति नहीं दी, जिसके बाद भाजपा सदस्यों ने गर्भगृह में जाकर नारेबाजी करना शुरू कर दिये और स्वयंमेव सदन से निलंबित हो गए। निलंबन के बाद भी भाजपा विधायकों का सदन में हंगामा जारी रहा, जिसे देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को भाजपा दल से अजय चंद्राकर ने प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत निर्मित आवासों का मुद्दा उठाया। उन्होंने विभागीय मंत्री सिंहदेव से पूछा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2021-22 में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा कितने हितग्राहियों को आवास आबंटित करने का लक्ष्य रखा गया है और कितनी केन्द्रांश व राज्यांश राशि की आवश्यकता होगी। इनमें 30 अक्टूबर 2021 तक कितने आवास स्वीकृत हुए है।

इसके जवाब में पंचायत मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने बताया कि प्रश्नावधि में केन्द्र सरकार द्वारा 781999 हितग्राहियों को आवास आबंटित करने का लक्ष्य रखा गया था जिसे भारत सरकार द्वारा वापस ले लिया गया है। राज्य सरकार द्वारा लक्ष्य का निर्णय विचाराधीन होने के कारण केन्द्रांश एवं राज्यांश की आवश्यकता का आंकलन करना संभव नहीं है। 30 अक्टूबर 2021 तक कोई भी आवास स्वीकृत नहीं हुए है।

श्री सिंहदेव ने बताया कि 30 अक्टूॅबर 21 की स्थिति में वर्ष 2019-20 में राज्यांश राशि 762.81 करोड़ व केन्द्रांश की राशि 1144.21 करोड़ की आवश्यकता थी जिसके विरूद्ध राज्यांश अप्राप्त है तथा केन्द्रांश की राशि 843.81 करोड़ रूपये प्राप्त हुई है। वर्ष 2020-21 में राज्यांश राशि 800 करोड़ व केन्द्रांश राशि 1200 करोड़ रूपये की आवश्यकता थी जिसके विरूद्ध राज्यांश एवं केन्द्रांश की राशि अप्राप्त है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 का लक्ष्य भारत सरकार द्वारा वापस ले लिया गया है, जिसके कारण केन्द्रांश एवं राज्यांश की आवश्यकता का आंकलन करना संभव नहीं है।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने मंत्री से कहा कि मुझे मिली जानकारी के अनुसार कोरोना से पहले केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत राशि पहले राज्यों को भेजा करती थी, उसके बाद राज्यों द्वारा अपनी राशि लगाकर आवासों का निर्माण कराती थी, लेकिन कोरोना आने के बाद से केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों से पहले राज्यांश उपलब्ध कराती है फिर केन्द्रांश दिया जाता है। चंद्राकर ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा राज्यांश उपलब्ध नहीं कराने के कारण केन्द्रांश नहीं मिला, जिसके कारण गरीबों का आवास यहां बन नहीं पाये।

इसके जवाब में मंत्री सिंहदेव ने कहा कि आवास नहीं बनने के कई कारण है एक कारण कोरोना है, वहीं दूसरा कारण केन्द्रांश का नहीं मिलना है। उन्होंने कहा कि अगर केन्द्रांश राशि की उपलब्धता नहीं होगी तो हम काम कैसे करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले से ही लोन ले चुका था और इस योजना के लिए अतिरिक्त लोन लेना पड़ रहा है।

पैसे के विवाद पर पति ने चाकू मारकर पत्नी पर किया प्राण घातक हमला, महिला अस्पताल में भर्ती

» आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के डीडीनगर इलाके में पति ने हत्या करने के नियत से पत्नी के पेट में चाकू मारकर प्राण घातक चोट पहुंचाया। गंभीर हालत में महिला को उपचार के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक बजरंगपारा दुर्गा मंदिर के पास आजाद चौक निवासी शिवानी विश्वकर्मा 20 वर्ष ने डीडीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। प्रार्थिया की बहन रिन्की देवांगन मनीष गोस्वामी से प्रेम विवाह की है। विवाह के पश्चात वह अपने परिवार के साथ श्रीराम चौक चंगोराभाठा में रहती है। 12 दिसंबर को प्रार्थिया एक विवाह कार्यक्रम में गई थी इसी दौरान उसकी बहन रिंकी देवांगन की लड़की विनी ने मोबाइल पर कॉल करके जानकारी दी की पैसे को लेकर विवाद होने पर उसके पापा मनीष गोस्वामी ने देररात उसकी मम्मी (रिन्की देवांगन) की हत्या करने के नियत से पेट में 3 -4 बार चाकू मार दिया,इससे पेट की अतड़ी बाहर आ गई है। पड़ोस की महिला की मदद से उसे घायल अवस्था में मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज जारी है। मामले की जानकारी मिलने पर पीड़िता अस्पताल जाकर देखा तब उसकी बहन का वहां इलाज चल रहा था।

कृषि शिक्षा के क्षेत्र में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की लम्बी छलांग

» इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय देश के सर्वश्रेष्ठ कृषि विश्वविद्यालयों में 16वें स्थान पर

» आई.सी.ए.आर. द्वारा वर्ष 2020-21 हेतु रैंकिंग सूची जारी

रायपुर (आरएनएस)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देश के सर्वश्रेष्ठ कृषि विश्वविद्यालयों में 16वां स्थान प्राप्त किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के कृषि शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2020-21 हेतु जारी कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग सूची में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर 16वें स्थान पर है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा यह रैंकिंग कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यो के मूल्यांकन के आधार पर जारी की जाती है।

उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग सूची में पिछले वर्ष इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय 23वें स्थान पर था। रैंकिंग के मामले में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने देश के कई नामी-गिरामी विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ यह मुकाम हासिल किया है।

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली के कृषि शिक्षा डिविजन द्वारा वर्ष 2020-21 हेतु देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग सूची हाल ही में जारी की गई है। ज्ञातव्य हो कि वर्तमान में देश भर में 72 कृषि विश्वविद्यालय संचालित किये जा रहे हैं। 20 जनवरी 1987 को स्थापित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ने अल्पकाल में ही देश के अनेकों पुराने एवं स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों की तुलना में सूची में अच्छा रैंक प्राप्त किया है। पिछले कुछ वर्षो में कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यो हेतु विश्वविद्यालय को यह रैंक प्राप्त हुआ है। वर्ष 2003 में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के अंतर्गत केवल चार कृषि महाविद्यालय संचालित थे जिनमें कुल 300 सीट थी। आज इसके अंतर्गत 48 शासकीय एवं निजी महाविद्यालय संचालित हैं जिनमें लगभग 2600 सीटें उपलब्ध है। इनमें 31 कृषि महाविद्यालय, 11 उद्यानिकी महाविद्यालय, 4 कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, एक फूड टेक्नोलॉजी एवं एक वानिकी महाविद्यालय शामिल हैं। वर्ष 2003 में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. की लगभग 100 सीट्स ही उपलब्ध थी जिसे बढ़ाकर लगभग 625 कर दिया गया है।

स्वाभिमान और गर्व के लिए दौड़ा छत्तीसगढ़

» रायपुर में 'रन फॉर सीजी प्राइड' का आयोजन

» हजारों की संख्या में शामिल हुए हर आयु वर्ग के धावक

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में आज सुबह आयोजित रन फॉर सीजी प्राइड को लेकर लोगों में अभूतपूर्व उत्साह दिखाई दिया। छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान और गर्व के लिए आयोजित इस दौड़ में हर आयु वर्ग के 20 हजार से अधिक धावक शामिल हुए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुबह 7 बजे गांधी उद्यान चौक से झंडी दिखाकर रन फॉर सीजी प्राइड का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गांधी उद्यान का पूरा क्षेत्र लोगों के हुजूम से खचाखच भरा हुआ था। दौड़ में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे स्कूली बच्चों से लेकर प्रदेशभर से आए युवा धावकों का समूह इस दौरान भारत माता की जय, छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया का उद्घोष करने के साथ ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। रन फॉर सीजी प्राइड के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जैसे ही मंच पर पहुंचे वहां मौजूद जनसमूह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। इसके प्रति उत्तर में मुख्यमंत्री ने युवाओं में जोश भरते हुए कहा 'कका अभी जिंदा हे'। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के इस प्रति उत्तर पर जनसमूह ने तालियां बजाकर उनका जोरदार स्वागत किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमने जो नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने का संकल्प लिया था, उसे हम पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। तीन सालों में ही छत्तीसगढ़ राज्य ने देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान कायम की है। छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा आज पूरे देश में है। हमने विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल से गुजरात मॉडल को काफी पीछे छोड़ दिया है। छत्तीसगढ़ मॉडल समता और आर्थिक समानता लाने वाला मॉडल है। समाज के गरीब, किसान, आदिवासी, महिला, युवा एवं सभी वर्ग और समुदाय के लोगों की बेहतरी के लिए काम किया जा रहा है। इसमें सभी समाज एवं वर्ग के लोग शामिल है। कोरोना संकट काल के दौरान भी छत्तीसगढ़ में विकास के काम अनवरत रूप से जारी रहे।

मुख्यमंत्री ने की दिव्यांग पर्वतारोही चित्रसेन को 12 लाख 60 हजार रूपए देने की घोषणा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज रायपुर में आयोजित रन फॉर सीजी प्राइड के मंच से दिव्यांग पर्वतारोही चित्रसेन साहू को 12 लाख 60 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा की है। साहू को यह राशि छत्तीसगढ़ सरकार और सीएसआर मद से प्रदान की जाएगी। साहू ने छत्तीसगढ़ में नई सरकार के आगामी 17 दिसम्बर को 3 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'रन फॉर सीजी प्राइड' (दौड़ स्वाभिमान और गर्व की) में हिस्सा लिया था। चित्रसेन साहू ने मुख्यमंत्री बघेल को सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि अब माउंट अकोंकागुआ की कठिन चढ़ाई कर छत्तीसगढ़ महतारी का नाम फिर से गौरवान्वित करने का पूरा प्रयास करूंगा।

जैविक खेती को अपनाकर कृषक खेमलाल ने समृद्धि की दिशा में बढ़ाए कदम

राजनांदगांव (आरएनएस)। जैविक खेती को अपनाकर डोंगरगांव विकासखण्ड के ग्राम सोमाझिटिया के प्रगतिशील कृषक खेमलाल देवांगन ने समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। उनके जीवन में परिवर्तन आया कृषि विभाग के कृषि मेला में पहुंचकर जहाँ वेस्ट डीकम्पोजर का कल्चर निःशुल्क प्रदान किया जा रहा था। वैज्ञानिक पद्धति से कृषि करने के विचारों को सुनकर वे प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि लघु धान्य फसलों को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य में खरीदने की पहल सराहनीय है। वे अभी अपने खेतों में जैविक विधि से पोषक तत्वों से भरपूर प्राचीन पैगम्बरी सोनामोती गेहूँ, देशी बंशी गेहूँ, जिंक बायो फोर्टिफाइड गेहूँ, काला गेहूँ (शुगर फ्री), खपली गेहूँ, ब्लैक राइस, रेड राइस, ग्रीन राइस, ज़िंक राइस, बासमती,

काला नमक किरण, विष्णुभोग, श्यामला, लायचा धान की उपज ले रहे हैं, जिनकी मार्केट में खासी डिमांड है और वे अन्य राज्यों में भी निर्यात कर रहे हैं। ये जैविक उत्पाद स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद हैं और कई बीमारियों में विशेष उपयोगी हैं। जैविक खेती के लिए उनका जज्बा देखकर यह पंक्तियां उपयुक्त लगती हैं-

कृषक खेमलाल देवांगन ने कृषि विभाग के सहयोग से नलकूप खनन योजनांतर्गत एक नलकुप खनन करवाया जिसमें में अस्थाई विद्युत कनेक्शन लेकर लगभग 8 एकड़ जमीन की सिंचाई कर रबी सीजन में काला गेहूं, शरबती गेहूं एवं गेहूं की प्राचीन एवं देशी वेरायटी में प्राचीन पैगंबरी सोना मोती गेहूं, देशी बंसी गेहूं की फसल पूर्ण जैविक विधि से लेने लगे। जिससे फसल क्षेत्र में वृद्धि हुई और जैविक गेहूं के बीज एवं आटा की मार्केटिंग से आय में वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि सरकार ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत धान की सुंगधित वेरायटी लगाने पर इनपुट सब्सिडी दिये जाने का प्रावधान किया है, जिसमें मैंने 4.36 एकड़ पर सुगंधित धान की फसल लगाकर इस योजना में सहभागिता निभाई है, जिससे मुझे लगभग 40 हजार रूपए का अनुदान प्राप्त होगा, जो मेरी अतिरिक्त आमदनी होगी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमपूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नंबर 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं सीनियर एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुरु सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मूलरुप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता फैला करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रुप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रुप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं तकनीकी तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को इसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा तकनीकी शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए वर्कशाप का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले मिशन पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

ऊर्जा की खपत में कमी कर 'ग्रीन एल्यूमिनियम' के उत्पादन में बालको का उत्कृष्ट योगदान

कोरबा (आरएनएस)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने प्रचालन के विश्वस्तरीय मानदंडों के अनुरूप अपनी विभिन्न उत्पादन प्रक्रियाओं में ऊर्जा की खपत निरंतर घटाने में सफलता पाई है।एल्यूमिनियम उत्पादन लागत नियंत्रित करते हुए बालको ने 'ग्रीन एल्यूमिनियम' के उत्पादन में नए आयाम स्थापित किए हैं। धातु उत्पादन के क्षेत्र में बालको की विशिष्ट ऊर्जा खपत में कमी आई है। कोयले की खपत में कमी और ऊर्जा उत्पादन दर में सुधार से बालको का औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबंधन मजबूत हुआ है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक अभिजीत पति ने बालको परिवार को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बताया कि एल्यूमिनियम उद्योग में बड़े पैमाने पर ऊर्जा की खपत होती है।एल्यूमिनियम भविष्य की हरित धातु है जिसका विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। बीते साढ़े पांच दशकों में देश की आत्मनिर्भरता और अर्थव्यवस्था की मजबूती में बालको का महत्वपूर्ण योगदान है। वेदांता समूह के निवेश से बालको की उत्पादन क्षमता में लगभग छह गुना बढ़ोत्तरी हुई। इसके साथ ही ऊर्जा की खपत कम करने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं संचालित की गई। बालको ने अपने स्मेल्टर के पॉट लाइन-1 में ऊर्जा की खपत कम की है। भारत तथा खाड़ी देशों के अन्य एल्यूमिनियम उद्योगों के मुकाबले बालको की विशिष्ट ऊर्जा खपत सबसे कम है। पति ने यह भी कहा कि पर्यावरण, सामुदायिक उत्तरदायित्व, गवर्नेंस और नवाचार के उच्चस्तरीय मानदंडों को अपनाकर कार्बन फुट प्रिंट कम करते हुए बालको प्रबंधन हरित एवं उज्ज्वल भविष्य निर्माण की दिशा में योगदान दे रहा है।

बालको ने डिजिटल एवं स्मार्ट तकनीकों को अपनाने के साथ ही नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए पॉट की डिजाइन में बदलाव किए हैं। फ्यूज तकनीक, ऑन लाइन वेल्डिंग और सिंगल बीम तकनीकों का विकास किया गया है। मल्टीपल प्वाइंट फीडर स्थापित हैं। एयर लाइन का इंटीग्रेशन किया गया है। थर्मल मॉडलिंग के साथ ही ग्रेफीटाइज्ड पॉट का इस्तेमाल किया जा रहा है। पॉट लाइन-1 एवं पॉट लाइन-2 में लो प्रेशर कम्प्रेस्ड एयर तकनीक स्थापित की गई हैं। इन तकनीकी सुधारों से बालको की विशिष्ट ऊर्जा खपत कम हुई है।

ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में वर्ष 2021 बालको के लिए उपलब्धिपूर्ण रहा।इस वर्ष बालको नेभारत सरकार की परफॉर्म, अचीव एंड ट्रेड (पीएटी) साइकल-2 योजना के अंतर्गत भारतीय एल्यूमिनियम उत्पादकों में सबसे अधिक ऊर्जा बचत प्रमाण पत्र हासिल किए। वर्ष 2021 में बालको के विद्युत संयंत्रों ने सीआईआई एनकॉन अवार्ड प्रदान हासिल किए।